

48. 56. DAÇAK. 201, 1. 2. SÂH. D. 80, 1. BHÂG. P. 4, 6, 32. 28, 18. 5, 2, 4. 16, 13. 17, 13. 24, 10. 7, 2, 9. कुमुदं Spr. 3198. बाहुभिर्विटपाकारैः RAGH. 10, 11. Spr. 217 (II). 2780. विस्फुरद् BHÂG. P. 3, 2, 18. धुकुटि° 5, 9, 19. Am Ende eines adj. comp. f. स्त्रा VIKR. 27. — 2) m. n. (das n. nicht zu belegen) Busch, Strauch AK. 3, 4, 19, 133. TRIK. H. 1120. H. an. MED. HALÂJ. 2, 35. वनं सवृत्तविटपम् MBH. 1, 5882. R. 2, 52, 95 (32 GORR.). MĀRĪH. 92, 13. KÂM. NĪTIS. 14, 31. Rr. 1, 24. ÇÂK. 33, 1. VARÂH. BRH. S. 19, 20. 54, 49. 93, 18. BRH. 3, 7. GĪT. 7, 28. PAÑĀT. 184, 21. — 3) m. Calotropis gigantea (आदित्यपत्त) RÂĀN. im ÇKDr. — 4) n. der Raum zwischen Scham und Oberschenkel, Perinaeum H. 613. Suçr. 1, 348, 17. 346, 12. वङ्गावृषणपोरत्तरे विटपे नाम 348, 21. 349, 3. 4. — 5) m. N. pr. eines Mannes gaṇa शिवादि zu P. 4, 1, 112. — 6) m. = षिङ्ग d. i. = विट 1) TRIK. H. an. = विटाधिप MED. — Vgl. प्रतिविटपम्, वैटप und उत्तप. विटपशम् (von विटप) adv. in Zweige, nach Zweigen: वेदद्रुमं विटपशो विभजिष्यति स्म BHÂG. P. 2, 7, 36.

विटपिन् (wie eben) 1) adj. mit Aesten —, mit Zweigen versehen: वृत्त (daneben शाखिन्) MBH. 1, 1775. — 2) m. a) Baum AK. 2, 4, 1, 5. 3, 4, 25, 171. H. 1114. HALÂJ. 2, 22. R. 2, 97, 19. ÇÂK. ed. Ch. 8, 9. KATHÂS. 73, 27. Spr. 1094. 4035. 4869. LÂ. (III) 89, 17. BHÂG. P. 5, 2, 4. 17, 13. 24, 10. — b) Ficus indica RÂĀN. im ÇKDr. — Vgl. कल्प°.

विटप्रिय m. eine Art Jasmin (मुद्गरवृत्त) RÂĀN. im ÇKDr.

विटभूत m. N. pr. eines Asura MBH. 2, 367.

विटमान्तिक m. ein best. Mineral H. 1053.

विटलवण n. = विडवण ÇKDr. ohne Angabe einer best. Aut.

विटि f. gelber Sandel ÇÂBDAM. im ÇKDr.

विटिकाणीरव (so im Index) m. N. pr. des Vaters des Grammatikers Varadarâga Verz. d. Oxf. H. 166, a, 23.

विट् am Ende eines adj. comp. = विष् Schmutz, Unreinigkeit, faeces: कर्पा° Suçr. 2, 368, 13. — Vgl. भिन्न°.

विटारिका (3. विष् + का°) f. ein best. Vogel BHÂRIPR. im ÇKDr. — Vgl. विटारिका.

विटूल (2. विष् + कुल) n. das Haus eines Vaiçja ÂÇV. Çr. 2, 2, 1.

विट्वादीर (3. विष् + ख°) m. Vachellia farnesiana W. u. A. AK. 2, 4, 2, 30.

विट्वा (3. विष् + चर) m. Hausschwein AK. 2, 10, 23. H. 1281.

विटूल, विटूलदीलित, °भट्ट, विटूलाचार्य, विटूलेश्वर und विटूलोपाध्याय m. N. pr. verschiedener Gelehrten HALL 134. 145. 147. 150. 152. fgg. 174. 187. 200. 205. fg. COLEBR. Misc. Ess. II, 41. Verz. d. Oxf. H. 161, No. 355. 341, a, No. 798. 384, a, No. 473. विठल, विठूल und विठल Verz. d. B. H. No. 692. 734. 738. 1168. 1346. विठल, विठूल ist eine Form Viṣṇu's, unter welcher er im Dekkhan, vorzüglich in Pundarpur, verehrt wird.

विटपय (2. विष् + प°) n. Waare, die ein Vaiçja zu verkaufen pflegt, M. 10, 85.

विटपति (2. विष् + पति) 1) Herr des Volkes, Fürst MBH. 3, 10804. — 2) Haupt der Vaiçja: वैश्यः पठन्विटपतिः स्यात् BHÂG. P. 4, 23, 32. विशो पश्चादीनां वैश्यादीनां वा पतिः स्यात् Comm. — 3) Schwiegersohn GÂTÂDH. im ÇKDr. M. 3, 148. Schol. zu Kîr. Çr. 422, 1 v. u. 423, 1. — Vgl. विष्पति.

विट्बू (2. विष् + बू) n. sg. die Vaiçja und Çûdra R. GORR. 1, 6, 21.

विटूल (3. विष् + बूल) m. eine best. Form der Cholik Suçr. 2, 463, 16.

विट्बू (3. विष् + मङ्ग) m. Stockung der faeces Suçr. 2, 428, 12.

विटारिका (3. विष् + सा°) m. ein best. Vogel, = कुपापी HÂR. 85. — Vgl. विटारिका.

विट्पारी f. dass. TRIK. 3, 3, 276.

विठङ्क (?) adj. bad, vile WILSON.

विठर = वाग्मिन् UNÂDIVR. im SÂṆKSHIPTAS. nach ÇKDr.

विड्, वैडति (आक्रोशे) DHÂTUP. 9, 30, v. 1. UNÂDIS. 1, 120. — Vgl. बिट्, विट्.

विड n. eine Art Salz AK. 2, 9, 42. H. 942. Suçr. 1, 33, 9. 137, 8. 226, 20. 2, 125, 15. °लवण (vgl. विडवण) 89, 13. masc. MBH. 13, 4365. Nach WILSON auch a part, a fracture, a bit (!).

विडगन्ध n. = विडवण WILSON nach RATNAM. विडगन्ध ÇKDr. nach ders. Aut.

विडङ्ग UNÂDIS. 1, 120. m. n. gaṇa अर्थर्चादि zu P. 2, 4, 31. 1) m. n. (n. wohl nur die Frucht) Embelia Ribes AK. 2, 4, 2, 25. H. an. 3, 131. MED. g. 47. n. die Frucht, dem schwarzen Pfeffer ähnlich, ein Wurmmittel (vulgo वावडिंग) Suçr. 1, 136, 15. 138, 17. 139, 5. 144, 12. 214, 19. 2, 70, 17. °सार 1, 161, 10. ÇÂRÂNG. SÂṆH. 3, 13, 58. VARÂH. BRH. S. 53, 7. 15. 76, 3. auch विडङ्गा f. ÇKDr. nach BHÂVAPR. — 2) adj. = अभिज्ञ H. an. MED.

विडम्ब (von उम्ब mit वि) 1) adj. Jmd nachahmend, Jmds Benehmen annehmend: नृ° BHÂG. P. 10, 23, 37. 35, 6. — 2) m. a) Verspottung, Verhöhnung Spr. 2226. SÂH. D. 261, 19. — b) Entweihung, Entwürdigung (einer Sache), z. B. eines Leichnams durch wilde Thiere, indem diese ihn fressen, VARÂH. BRH. 25 (23), 13.

विडम्बक (wie eben) nom. ag. Entweiher: आश्रमापसदा ह्येते खल्व्वाश्रमविडम्बकाः BHÂG. P. 7, 15, 39.

विडम्बन (wie eben) 1) nom. ag. Jmd nachahmend, Jmds Benehmen annehmend BHÂG. P. 10, 70, 40. — 2) n. und f. स्त्रा nom. act. a) das Nachmachen, Nachäffen, das Spielen einer Person, das dem Scheine nach Etwas Sein, das dem Scheine nach Annehmen einer Erscheinungsform; insbes. von einem Gotte, der menschliches Aussehen und Benehmen annimmt: तवेकमानस्य नृणां विडम्बनम् BHÂG. P. 1, 8, 29. fg. मर्त्य° 3, 1, 42. 10, 3, 31. 23, 45. मां खेदयत्येतदस्य जन्मविडम्बनं यद्मुदे-वगेहे 3, 2, 16. 9, 15. अक्ता विभूषणशरितं विडम्बनम् 14, 28. 10, 84, 17. मायामत्स्य° 8, 24, 1. भेजे भीतिविडम्बनम् 10, 30, 23. तदत्यन्तविडम्बनम् 74, 3. 80, 45. वद कस्य कुले जन्म माययासुविडम्बनम् (so ist zu schreiben, d. i. मायया असु° und letzteres = असु + वि°) sc. हरेः Verz. d. Oxf. H. 26, b, 17. fg. कुरुते ऽर्चाविडम्बनम् so v. a. scheinbare, falsche Verehrung BHÂG. P. 3, 29, 21. प्रीयते ऽमलया भक्त्या कुरिरन्यद्विडम्बनम् alles Andere ist nur Schein, — Maske 7, 7, 52. अन्येष्वर्थकता मैत्री यावदर्थविडम्बनम् 10, 47, 6. MUIR, ST. IV, 319, N. 284. करोति विडम्बनाम् öft nach Spr. (II) 494. — b) Verspottung, Verhöhnung; Spott, Hohn; Schimpf: लभते विडम्बनम् erntet Spott ein Spr. (II) 433. प्राप्तं सर्वैर्विडम्बनम् KATHÂS. 41, 32. न विडम्बनशीलाकम् 81, 94. वेदेषु PAÑĀR. 1, 2, 19. कृत्तानुग्रक्तो विद्वान् लब्धा च जन्म भारते । न भजेत्कृत्तपादाब्जं तदत्यन्तविडम्बनम् ॥ 2, 2, 65. अधुनापुत्रस्य जीवने विडम्बनम् Schimpf HIT. 99, 18. PRAB. 43, 12. विडम्बनं कर् Jmd (acc.) verspotten, verhöhnen BRAHMAIV. P. 2, 79. In